श्रीमती इन्दु सिनहा

पटना विश्वविद्यालय से एम० ए० तथा दो वर्षों तक राँची विश्व विद्यालय के अन्तर्गत महिला महाविद्यालय की विभागाध्यक्षा। अब एक कुशल गृहिणी। फिलहाल महिला सुनाम गोष्ठी की योजना कर नारी वर्ग में भारतीय आदर्शों को अविरल निनादित कर रही हैं।

कला, विशेषतः काव्य संगीत और संस्कृति, के प्रति तन्मय, चम्पारण में इन्होंने आरबी परिवार कल्याण-केन्द्र की स्थापना कर तत्कालीन चीन युद्ध के समय जन-जागरण कार्य किया।

समाज सेविका, कवियत्री, लेखिका।

तीव्र बुद्धि की एक मेधाविनी महिला। भारतीय संस्कृति की पुजारिणी। मधुर भाषिणी किन्तु प्रखर, ओजस्वनी और तेजस्विनी।

—सम्पादक